मन का दर्पण

(कहानी)

11

एक किसान के पास दो गायें थी। एक इतनी काली जितना कोयला, दूसरी इतनी सफेद जितना संगमरमर। परंतु सफेद गाय को यह पता नहीं था कि वह सफेद है और काली गाय को यह पता नहीं था कि वह काली है।

एक दिन सायंकाल जब दोनों एक झील पर पानी पीने गईं, तो झील के निश्छल पानी में दोनों ने अपनी-अपनी परछाईं देखी। काली गाय दोनों के बीच अंतर को न समझ सकी जबकि सफेद गाय ने दोनों में रंगों के अंतर को समझ लिया। उसी दिन से उसके हृदय में काली गाय के प्रति *घृणा* पैदा हो गई। अब वह उससे अलग-अलग रहने लगी। वह *चारागाह* में भी उसके साथ नहीं जाती थी। एक ही तबेले में उसे एक साथ बाँधा जाना भी अच्छा नहीं लगता था। यहाँ तक कि एक ही बाल्टी में से वह पानी भी नहीं पीना चाहती थी। अब तो वह उसकी आवाज का उत्तर भी नहीं देती थी। वह अब अपने समान किसी को भी नहीं समझती थी।

किसान के यहाँ अन्य जानवरों को भी पता चल गया था कि सफेद गाय अब उनके प्रति इतनी दयालु नहीं रह गई थी। किसान के होरी नामक घोड़ी और स्वीटी नामक कुत्ते का तबेले में आना उसे पसंद नहीं था। चितकबरे बैल, भूरी बकरी और काली बिल्ली का भी अधिक स्वागत नहीं होता था। सभी इस परिवर्तन से हैरान थे और उन्हें यह बुरा लग रहा था। वह गाय अभिमान के कारण अपने अकेलेपन में ही विशेष प्रसन्नता महसूस करती थी। वे कोमल नजरें, जिनके लिए उसकी जाति प्रसिद्ध है। अब कठोर हो गईं थीं। स्वीटी के सो जाने पर वह खेत में रहने वाले सफेद खरगोश से देर रात तक बातें करती। काली गाय को उसके व्यवहार से *शंका* होने लगी थी।

एक दिन दोनों के बीच भयानक झगड़ा प्रारंभ हो गया, जिसने एक खुले युद्ध का रूप ले लिया। तेज सींगो के आक्रमण से दोनों के शरीर से खून टपकने लगा। यदि समय पर किसान उनकी लड़ाई समाप्त करवाने के लिए नहीं पहुँचता तो भयानक परिणाम हो सकता था।

जब सफेद गाय ने काली गाय का बहता हुआ खून देखा तो उसे बहुत *सदमा* पहुँचा। उसने देखा कि काली गाय के खून का रंग भी उतना ही लाल था जितना उसका अपना। इससे उसे अपने घावों की अपेक्षा अधिक पीड़ा महसूस होने लगी।

अगले दिन दूध दुहाने के समय सफेद गाय को फिर सदमा पहुँचा जब उसने देखा कि काली गाय का दूध भी उतना ही सफेद था जितना कि उसका अपना।

एक दिन नगर से एक ग्राहक गाय, बैल, बकरी आदि जानवर खरीदने आया। किसान दोनों गायों की पिछले दिनों वाली लड़ाई से बहुत चिढ़ा हुआ था। उसने ग्राहक से कहा, "मेरी गायें *क्लेशकारी* बनती जा रही हैं। तुम उनमें से एक को ले जाओ ताकि दूसरे के पास लड़ने का कारण ही शेष न रहे। "तुम कौन-सी गाय लोगे? काली या सफेद।"

व्यापारी ने उत्तर दिया, "रंगों में अंतर के कारण से मेरे यहाँ कीमत में कोई वृद्धि नहीं होती।"

सफेद गाय यह सुनकर और भी स्तब्ध रह गई। उसे अपने रूप-रंग पर जो अभिमान था, वह चकनाचूर हो गया। वह समझ गई कि न खून में, न ही दूध में और न ही रंग में, कहीं भी वह काली गाय की अपेक्षा बढ़िया सिद्ध नहीं हुई। व्यापारी उसकी *बेहतर* सफेद चमड़ी के प्रति कोई विशेष ध्यान देता हुआ प्रतीत नहीं हो रहा था। झील के *दर्पण* ने उसकी काली साथिन और स्वयं के बीच अंतर स्पष्ट कर दिया था, लेकिन अब एक-दूसरे से अलग होने का समय आया तो उसे

दोनों में समानता दिख रही थी। वही खून, वही दूध और अंत में वही एक जैसी मौत। उसे इस बात का भय भी सता रहा था कि ग्राहक उसे कैसे रखेगा?

सफेद गाय भागी-भागी काली गाय के तबेले में गई और काली गाय से कहने लगी, "बहन! हम दोनो में से किसी एक को मालिक आज बेच देगा और हम अलग हो जाएँगे। अब मेरे मन के दर्पण ने स्पष्ट कर दिया है कि मेरे और तुम्हारे बीच कोई अंतर नहीं है। फिर आपस में लड़ाई-झगड़ा किस लिए? मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है। अब हम मिलजुल कर रहेंगे। मैं तुमसे अलग नहीं होना चाहती।"

इन बातों को सुनकर काली गाय का मन पिघल गया। उसने भी एक ही पल में उसकी सारी *निर्दयता* भुला दी और उसे क्षमा कर दिया। उसने अपनी गर्दन से सफेद गाय को रगड़ा और दोनों मिलकर किसान के झोंपड़े के पास गईं तथा एक *तान* में आवाज लगाकर उसे जगाया।

यह देखकर किसान को हैरानी और खुशी दोनों हुई। उसने उन्हें अपने समीप लाते हुए प्यार से कहा, "मैं तुम दोनों को बेचने नहीं जा रहा हूँ।"

शब्द-अर्थ

घृणा — नफरत *(hatred)*,
अभिमान — घमंड *(arrogance)*,
सदमा — दिल पर लगी चोट *(shock)*,
व्यापारी — खरीदने-बेचने वाला *(merchant)*,
दर्पण — शीशा/आईना *(mirror)*,
निर्दयता — कठोरता *(fierceness)*,
चारागाह — चरने का स्थान *(pasture)*,
शंका — संदेह *(doubt)*,
क्लेशकारी — लड़ाई-झगड़ा करने वाली *(trovubler)*,
बेहतर — श्रेष्ठ *(better)*,
तबेला — जहाँ पशु बाँधे जाते है *(stable)*,
तान — सुर *(tone)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

संगमरमर	परछाईं	ह्रदय	व्यवहार	हैरान	प्रसन्नता
प्रसिद्ध	आक्रमण	परिणाम	क्लेशकारी	स्तब्ध	निर्दयता

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) लेखक ने प्रस्तुत कहानी में किसके बारे में बताया है?

(ख) दोनों गायों को कब पता चला कि उनके रंगों में अंतर है?

(ग) किस बात को सुनकर काली गाय का दिल पिघल गया?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) दोनों गायों ने अपनी परछाईं देखी-

☐ दर्पण में ☐ झील के निश्छल पानी में ☐ नदी के पानी में

(ख) गाय प्रसिद्ध है-

☐ दूध के लिए ☐ भोलेपन के लिए ☐ ईर्ष्या-द्वेष के लिए

(ग) मालिक ने दोनों गायों को क्लेशकारी कहा क्योंकि-

☐ वे आपस में लड़ती थीं ☐ आने जाने वाले को मारती थीं ☐ मालिक को सताती थीं

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

किसान, गायें, झील, घृणा, आक्रमण

(क) किसान के पास दो ..... थीं।

(ख) सफेद गाय के हृदय में काली गाय के प्रति ..... पैदा हो गई।

(ग) तेज सींगों के ..... से दोनों के शरीर से खून टपकने लगा।

(घ) ..... दोनों गायों की लड़ाई से बहुत चिढ़ा हुआ था।

(ङ) ..... के दर्पण ने उनका अंतर स्पष्ट कर दिया।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) किसान के पास चार गायें थीं। ☐

(ख) सफेद गाय जानवरों के प्रति दयालु थी। ☐

(ग) दोनों गायों के बीच प्रेम उत्पन्न हो गया था। ☐

(घ) किसान ने अपनी गाय को बेच दिया था। ☐

(ङ) सभी बातें सुनकर काली गाय का हृदय पिघल गया। ☐

4. आपने कितना समझा?

कारण बताइए-

(क) सफेद गाय के हृदय में काली गाय के प्रति घृणा पैदा हो गई।

(ख) एक दिन दोनों में भयानक झगड़ा हुआ।

(ग) किसान ने एक गाय को बेचने का निश्चय कर लिया।

(घ) सफेद गाय ने काली गाय से द्वेष-भाव छोड़ दिया।

(ङ) किसान ने उन्हें बेचने का विचार त्याग दिया।

भाषा-ज्ञान

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) 'बिल्ली' का पुल्लिंग शब्द है-

☐ बिलाव ☐ बिल्ला ☐ बिल्ले

(ख) 'दर्पण' का समानार्थक है-

☐ आरसी ☐ आईना ☐ शीशा

(ग) इनमें से विशेषण है-

☐ शंका ☐ गाय ☐ सफेद

2. शब्दों के अर्थभेद समझकर इनके वाक्य बनाइए-

	अर्थ	वाक्य
(क) पूछ/पूँछ	.....	.....
(ख) समान/सामान	.....	.....
(ग) तन/तान	.....	.....

उपर्युक्त शब्द के जोड़े समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं। उच्चारण करते समय तो ये लगभग एक जैसे लगते हैं परंतु इनके अर्थ बिलकुल भिन्न होते हैं।

3. मूल शब्दों से तीन-तीन नए शब्द बनाइए-

(क) दया -	दयालुता	दयावान	दयालु
(ख) प्रसन्न -	.....	.....	.....
(ग) क्षमा -	.....	.....	.....
(घ) रंग -	.....	.....	.....
(ङ) सत्य -	.....	.....	.....

4. निम्न जोड़े बनाइए-

गाय	हथिनी
बकरी	कुतिया
घोड़ा	घोड़ी
कुत्ता	बैल
बंदर	बंदरिया
हाथी	बकरा

क्रियात्मक गतिविधि

- गाय के दूध से क्या-क्या चीजें बनती हैं? अपनी पसंद का कोई एक व्यंजन बनाने की विधि अपनी माँ से पूछकर लिखिए।
- गाय के विषय पर कोई पाँच लाइनें लिखिए।

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....